ॐ श्रीगणेशाय विघ्नहर्त्रे नमः

प्रते

मित्ररुद्राय नमः प्रते रंसमनउद्राय नमः

रंसमने प्रजति रुद्राय नमः

सुप्रति ध्रुयनमः

भस्मि मित्ररुद्राय नमः

रंस्त्र रुद्राय नमः

भस्मि वरुद्राय नमः सुप्र

यावितु रुद्राय नमः

रुद्रे सुरुद्र मघायनमः

भप्र

रुद्रे विवैनमः मजि भिमायवध

वैचाउ

कालरुद्राय नमः

भभ उग्राय नमः

यं कामाय नमः भप्र

रुद्र पुरुष रुद्राय नमः

प्रति

भयविचयति रुद्राय नमः

भप्र रुद्र नवकेषु पुभभु [illegible] यउ

पुनः केषु पङ्क्के पुनः [illegible] ग्भयं [illegible] उति विष्णुवउ

यज विधिवसकीलउ [illegible]

[illegible]
[illegible]

ॐ [illegible] विमलत
[illegible] परमात्म [illegible]
[illegible] नमः ॥ नमो [illegible] विष्णु ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] कलशं [illegible]
[illegible] कलशं [illegible] नमः
गः सन्मुखाय नमः [illegible] सन्मुखाय नमः

[illegible] कलश [illegible]

[illegible] पश्चिमे [illegible]

[illegible]

[illegible] नमः [illegible]

लं वं नमः [illegible]

[illegible] नमः [illegible]

[illegible] नमः [illegible]

[illegible] नमः [illegible] नमः

[illegible] नमः [illegible]

[illegible] नमः

[illegible]

मठक ॰ नुयमनुजणमिक ह्रुंग जीशुल्लि
नाडिल्लिमकंकदं ॥ चपमहेन ॥ ॰मुरममेठ
व मुंममामिवममेठव ॥ मः मिवममेठव
उतिर्थविषये मृषमुविषये तॅजलिवि
कविल्लीममाठव गलिधूमधिनीममाठव
मवधूउममनीजममाठव मम्हुगवद्य धिड़
मिवगौड्य जनुय धूषमेफनि, ● ममम,
फनि णिषउडिल्लिमक फ्लुलिः मुपाचमः
मरे मिवगौड्ड्यै जन्नुयै, णिषउडिल्लिमक
, फ्लुलि ःमुपाचमः

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

ॐ शिवशक्तिपीठं ओं हां नमः हूं वामदेववक्त्रा-
य वामदेववक्त्रमूर्तये महादेव महा-
देवमूर्तये विघ्नेश्वरमूर्ति कलाणापतये
मूर्तिमूर्तये नीलरुद्र कलायै नीलरुद्र
कलामूर्तये पितृः शिवगोत्र तत्पुरुष द्वितीय
उत्तमः पितृः भगवानमः सर्व ॥१॥ ओं
हां नमः हं अघोरवक्त्राय अघोरवक्त्रमूर्त-
ये उग्रमूर्तये उग्रमूर्तिमूर्तये, विष्णु कलापति
विष्णुकलायै उमायै, कपिलाय ... पतये स्व
लायै कपिलकलामूर्त्यै पितृः शिवगोत्र।
सं... नवि ...

ह्रूं नमः पिङ्गः स्वाहा नमः स्वधापश्च स्रु ३
ह्रैं ह्रूं नमः ॐ उग्ररूपधराय उग्ररूप
वक्त्रस्वरूपाय चण्डरूपाय, चण्ड
रूपस्वरूपाय विरूपाक्षाय सुराय सौ
कल्पाय मातृकल्पाय, मातृक
ल्पाधिपतये भूतभवाय वायवे
विष्णुलिङ्गे वह्निकल्पाय॥
पितः शिवगोत्रस्य सत्यज्योति
रूपे वायवः पिङ्गः स्वाहा नमः

शिव कि. ५

[illegible] पितः [illegible] नमः [illegible]

॥१॥ [illegible]

[illegible] पितः [illegible] नमः जप उप ॥२॥ [illegible] नमः

[illegible] पितः

[illegible] नमः जप उप

॥३॥

ॐ ह्रां नमः सुदर्शनकवचाय सुदर्शनकव
चमन्त्रस्य, अनुष्टुप्छन्दसे अनुष्टुप्छन्द
से [illegible] देवतायै [illegible] पितः शि
वगोत्र [illegible] नवभक्ति [illegible] [illegible] पितुः
[illegible] नमः [illegible] ७ ॐ ह्रां नमः [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]
ॐ [illegible] [illegible] देवतायै [illegible] पि
तः शिवगोत्र [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] नमः [illegible] पि० ॥ ० [illegible]
[illegible] नमः [illegible] नमः [illegible]
पितः शिवगोत्र [illegible] ५ ०० [illegible]
[illegible] नमः [illegible] [illegible] नमः

एवं पूर्वोक्तेन विधिना पू० श० सम्पूज्यः
प्राणनमः शी० ठह्रू ठेह्रू० मन्त्रं प्राणनमः ३
लमपु० पु० प्राण० विनयः शी० मपु० उन्नै०
उमकउह्रू विनं ३ रम्णं ३ मपुकल्पेन
कुलंमिनभक्तां कोमि प्राणनमः उउः पिं
सभसानि ह्रुं पूउ मन्त्रेनमः ं ह्रिय० ह्रुं ह्रुं
हं उह्रूमन्त्रेनमः लंमन्त्रे० वं वाम० ं वषौ
रव० वं रंमान० यं उह्रू० विधिवगाइ यमह
य पू० स० वन्दीमिप्राणनमः ~~[illegible]~~
मि० पु० पञ्चीउ० सउह्रु० उक्लमु० सम्पउ० पुकाम०
क्रि० मनम्० शाहुउ० सहंकारउ० पूलउ० पञपङ्
७ यनमः सीपसल्ल गमिनुउमकान्मविभवेपरु

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] भवतु ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
शिवमस्तु ॥ ॐ श्रीगुरवे शिवाय [illegible]
[illegible] नमः ॥ ॐ [illegible] ॥